स्थली *f.* (a praec. signo *fem.* ई) *id.* UR. 60. 14. RITU-S. 1. 25. — RAGH. 6. 72.: गाढस्थली; BHAR. 1. 19.: उपस्थस्थली (v. स्कन्धदेश)·

स्थविर (ut videtur, forma anomala a r. स्था stare) 1) firmus, stabilis. 2) senex. N. 4. 25. 12. 123.

स्था 1. P. A. तिष्ठामि, तिष्ठे (proprie cl. 3., anomale correpto आ in अ in tempp. spec., v. gr. min. 295. et r. दद्) 1) stare, pedibus insistere. SA. 4. 8.: तिष्ठन्ती ... काष्ठभूते 'व लक्ष्यते; 5. 4.: न स्थातुशक्तिर् अस्ति मे; HIT. 26. 9.: चलत्य् एकेन पादेन तिष्ठत्य् एकेन बुद्धिमान्· — स्थित stans. N. 12. 27. SA. 4. 3. 5. 8. 2) stare, motu vacare. N. 14. 6.: तिष्ठ त्वं स्थावर इव; BH. 2. 13.: यदा स्थास्यति निश्चला· 3) perstare, perdurare. HIT. 47. 10.: अरक्षितन् तिष्ठति दैवरक्षितम्· 4) manere, morari. DEV. 1. 10.: तस्थौ कञ्चित् स कालञ्च मुनिना तेन सत्कृतः· — *Pass. impers.* LASS. 56. 2.: दिनानि कतिचिद् भद्रे स्थीयताम्; HIT. 21. 4.: सर्वैर् एकत्र ... सुखिभिः स्थीयताम्· 5) esse, versari. BH. 3. 5.: न हि कश्चित् क्षणम् अपि जातु तिष्ठत्य् अकर्मकृत्; N. 20. 29. 25. 16. — HIT. 31. 2.: सर्वेषाम् मूर्ध्नि तिष्ठेत्; MAH. 3. 1138.: ईश्वरस्य वशे लोकास् तिष्ठन्ते· 6) adstare, adesse, praesentem esse. N. 4. 5.: तिष्ठत्सु लोकपालेषु कथम् मानुषम् इच्छसि; H. 3. 7.: न स कश्चिन् मयि स्थिते; RIGV. 35. 10.: अस्थाद् देवः· — *Caus.* स्थापयामि, °ये· Sistere, collocare. N. 21. 18.: हयान् तान् अवमुच्या 'थ स्थापयामास वै रथम्· *C. loc. loci.* BH. 1. 21.: सेनयोर् उभयोर् मध्ये रथं स्थापय· — TROP. MAN 7. 44.: वशे स्थापयितुम् प्रजाः; MAH. 3. 234.: राज्येचै 'नं स्थापयस्व· — कन्यां स्थाप° filiam collocare in matrimonium. MAH. 1. 2576.: (दक्षः) पुत्रिकाः स्थापयामास ... ददौ स दश धर्माय सप्तविंशतिम् इन्दवे· 2) facere ut quid sit, fundare, constituere, condere. R. Schl. I. 1. 92. II. 80. 24. (Gr. ΣΤΗ, ἵστημι per redupl. pro σίστημι = zend. *histâmi* (v. gr. comp. 508.), scr. तिष्ठामि; ἔστην = अस्थाम्; lat. *sto*, sisto (v. gr. comp. 508.); germ. vet. *stâm* sto, *stât* stat; lith. *stowmi*, slav. *stoju*; hib. *sta-d* fem. «stop, delay, hindrance»; masc. «state, condition»; *stadaim* «I stand, stop, delay», fortasse forma redupl. pro *stastaim*, mutato *t* in *d*, cf. lat. perf. *steti* pro *stesti*. Ad स्था etiam traxerim hib. *taim* sum, abjectâ sibilante, ita osseticum *dan* sum, *istam* sumus = zend. *histâma* stamus, gr. ἵσταμεν; pers. *hestem* sum, *hestîm* sumus, v. gr. comp. 628. annot. 2. Cum Caus. स्थापय् cf. स्तम्भ् q. v., germ. vet. *stif-t* fundatio, institutum, *stiftan* fundare, aedificare.)

c. अधि (part. in त धिष्ठित abjectâ vocali initiali, et अधिष्ठित) 1) superstare, insistere, *c. acc.* MAH. 2. 2541.: शिरः पादेनचा 'स्या 'हम् अधिष्ठास्यामि भूतले; MAN. 4. 78.: अधितिष्ठेन् न केशान्· 2) niti, inniti. R. Schl. I. 34. 34.: क्षमायां धिष्ठितञ् जगत्; MAH. 3. 1105.: यस्याम् (क्षमायाम्) ... यज्ञा लोकाश्च धिष्ठिताः· 3) inhabitare. A. 10. 2.: पुरम् ... पौलोमैः ... अधिष्ठितम्· 4) praeesse, imperare. R. Schl. II. 1. 25.: महीम् ... कृत्स्नाम् अधितिष्ठन्तम्· 5) transgredi. R. Schl. I. 31. 19.: एकेन हि पदा कृत्स्नाम् पृथिवीं सो ऽध्यतिष्ठत· 6) *sicut simpl.* stare, versari, esse. MAH. 1. 2867. 3406. 8325.

c. अनु stando sequi *stantem*. MAN. 11. 111.: तिष्ठन्तीष्व् अनुतिष्ठेत् तु व्रजन्तीष्व् अप्य् अनुव्रजेत्· 2) sequi, obsequi, धर्मम्· MAN. 2. 9.: धर्मम् अनुतिष्ठन्; 5. 2. 9. 11. MAH. 3. 1282. BH. 3. 35. — नियोगम् MAH. 1. 749.: गुरोर् नियोगम् अनुतिष्ठमानः· 3) facere. UR. 41. 10. *infr.*: कुत्र स ... किं वा 'नुतिष्ठति; HIT. 54. 17.: यथाभिप्रेतम् अनुष्ठीयताम्· 4) regere. DR. 4. 12.: कच्चिद् एकः ... सौवीरान् सह सिन्धुभिर् अनुतिष्ठसि· 5) manere, commorari. LASS. 56. 10.: पुनः शतद्वयञ् किञ्चिद्त्नं वर्षाणाम् अन्वतिष्ठत·

c. अव 1) *i. q. simpl.* BH. 1. 30. 11. N. 7. 15. 2) discedere. HIT. 47. 22.: मन्दम् मन्दम् अवतिष्ठते· — *Caus. i. q. Caus. primit.* N. 20. 12.

c. अव praef. परि stare, versari, esse. MAH. 1. 4029.: सततम् पौरुषे पर्यवस्थितः; BH. 2. 65.: प्रसन्नचेतसो ह्य् आशु बुद्धिः पर्यवतिष्ठते·

Universität Köln Seminar für Indologie 49